स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक १०५ वि.सं. २०८३ कार्तिक १९ गते बिफे थारु सम्वत (२६४९) [Thursday 05 November 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

बजेट विवादसे विकासके काम बाधा

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १८ कार्तिक । चालु आर्थिक वर्ष २०८३/८४ मे उत्पन्न बजेट विवादके कारण इ प्रदेश विकासनिर्माणमे पाछे परल बा ।

कुवाँरसम बजेटविहीन प्रदेश सरकारसे ओस्टे महिनाके अन्तिममे बजेट ल्याकेफे विवाद कहलै अभिन सुल्झल नै हो ।

बजेटमे सत्तापक्षके चर्को असहमति हुइलपाछे संसदीय समिति गठन करके छानबिन कैना तयारी हुइटीरहल बा । समितिसे बजेटउप्पर छानबिन करके तयार पारल प्रतिवेदनके आधारमे पूरक बजेट ल्यानल सरकारके प्रतिबद्धता बा । बजेटमे विवाद ओ अन्योल कायम रहलपाछे आयोजना कार्यान्वयन कैना ढिलाइ हुइटीरहल बा ।

सरकारसे कुवाँरमे बजेट ल्यानलफे विकासनिर्माणमे ढेर पाछे परसेकलके सुदूरपश्चिम प्रदेश सभाके सामाजिक विकास समितिके सभापति धर्मराज पाठक बटैले बटै । उहाँ कहलै, "मोर समितिसँगे सम्बन्धित सामाजिक विकास मन्त्रालय ओ भूमि, व्यवस्था, कृषि ओ सहकारी मन्त्रालयके काम प्रभावित हुइल बटै । चालु आवमे प्रदेश



सरकार विकासनिर्माणमे ढेर पाछे परसेकल रु।"प्रदेश सरकारसे प्रत्येक आवके लग असार १ गते प्रदेश सभामे बजेट पेस करेकपर्ना संविधानसे व्यवस्था करल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे चालु आवके लग असारमे प्रस्तुत करल बजेट पारित नैहुइलपाछे साउनसे कुवाँर मसान्तसम प्रदेशमे बजेट शून्यता हरइल रहे । सरकारसे कुवाँर अन्तिम साता ३७ अर्ब ७० करोड ३९ लाखके दोसर बजेट ल्यानलफे विवादके कारण अन्योल कायम रहल बा ।

प्रदेश सरकारसे पूरक बजेटसमेत ल्यानल कहटी बजेट अन्योलता सिर्जना करल प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालयके प्रमुख वासुदेव जोशी बटैलै । "ओस्टेक ते बजेट नैहुइट कामकाज ढिला हुइसेकल रहे," उहाँ कहलै, "बजेट विवादसे आयोजनाके काम अभिन पाछे धकेलल बा रु। अभिन पूरक बजेट ल्यानल बाट बा, अब्बे पारित हुइल बजेटसे अन्योल बहल बा ।"

जोशीके अनुसार प्रदेश सरकारके पुँजीगत खर्च जम्मा ०.८ प्रतिशत बा । बजेट ल्यानलके एक महिना पुग्टी करके चालु खर्च भर पाँच प्रतिशत पुगलके जोशीसे उल्लेख करल बटै । उहाँ कहलै, "विकासनिर्माणके आयोजना ते कार्यान्वयनमे गिल नै हो ।"

चालु आवके प्रथम चौमासिक सेकल अब डेढ हप्ता बाँकी रहल बा । इ अवधि भरके आयोजनाके काम फिल्डमे सुरु करना समय होरु। भौतिक पूर्वाधार विकास कार्यालय कैलालीके प्रमुख रामचन्द्र खत्री बजेट विवादसे आयोजना कार्यान्वयनमे असर परलके बटैले बटै । उहाँ कहलै, "पुँजीगत बजेट हुइल इ बेला फिल्डमे सर्भेके काम हुइट रु। उ कार्य करल नै हो ।"

बहुवर्षीय एवं पुराना योजनाके काम भर हुइटीरहलके खत्रीके कहाइ बा रु। उहाँसे लावा आयोजनाके ठेक्का सम्झौताके काम प्रभावित हुइल उल्लेख करल बटै ।

जिप दुर्घटनामे दुई जानेक मृत्यु

पहुरा समाचारदाता
बझाङ, १८ कार्तिक । बझाङके केदारस्युँ गाउँपालिका–७ भामचौरलग्गे जिप दुर्घटना हुके दुई जानेके घटनास्थलमे मृत्यु हुइल बा मने १३ जाने घाहिल हुइल बटै ।

दुर्घटनामे मृत्यु हुइनामे केदारस्युँ गाउँपालिका–७ काँडाचौरके गोपाल धामी ओ पवित्रा धामी रहल बटै । दुनु जानेके घटनास्थलमे मृत्यु हुइल स्थानीय दलबहादुर धामी जानकारी डेहल बटै । दुर्घटनामे छ जाने गम्भीर घाहिल हुइल बटै मने अन्य सात जानेके अवस्था सामान्य रहल बटैल बा ।

स्थानीयके अनुसार सुदूरपश्चिम प्रदेश ००१ प ४३७६ नम्बरके जिप बुधके बिहान ९:१० बजे दुर्घटनामे परल हो । करिब १५ जाने स्थानीय बासिन्दाहे लैके काँडाचौरसे बागथलाओर आइटी करल जिप डाँडाइजर सुडेधार खोलालग्गे सडकसे करिब २० मिटर तल गिरल बटैल बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रहरी निरीक्षक उपेन्द्र तिमिल्सैनाके अनुसार अस्थायी प्रहरी पोस्ट बिजगडासे प्रहरी सहायक निरीक्षक मीन चन्दके कमाण्डमे दुई जाने, अस्थायी प्रहरी पोस्ट बागथलासे प्रहरी सहायक निरीक्षक केशवसिंह भण्डारीके कमाण्डमे दुई जाने ओ जिल्ला प्रहरी कार्यालयसे सात जाने प्रहरी घटनास्थलओर खटल बटै । जिपके चालक बुङ्गल नगरपालिका–२ गिरौंके मोहन धामी रहल बटैल बा । उ जिप केदारस्युँ गाउँपालिका–७ के वडाध्यक्ष चन्द्र धामीके रहलके स्थानीयसे जनैले बटै । घटनाबारे थप विवरण आइना बाँकी रहल बा ।

दीपावली मनाउँदा ध्यान दिऔं

- दियो, मैनबत्ती बाल्दा आगोले टिप्ने सामान नजिक नराखौं,
- मैनबत्ती, दियो बालिसके पछि ननिभेसम्म निगरानी गरौं,
- यस्तो समयमा विद्युत सट भई आगो लाग्ने सम्भावना भएकोले सचेत बनौं,
- विद्युतीय प्लगको क्षमता अनुसार मात्र बत्तीको प्रयोग गरौं,
- पटाका तथा अन्य प्रज्वलनशील वस्तुको प्रयोग नगरौं।



आगजनीबाट बचौं र बचाऔं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

जैविक विविधताके अनुपम भण्डार घोडाघोडी

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १८ कार्तिक । चराचुरुंगीके चिरबिराहट, तालके शान्त पानी, घना जङ्गलके हरियाली ओ दुर्लभ वन्यजन्तुके उपस्थितिसे कैलालीके घोडाघोडी क्षेत्र प्रकृतिप्रेमीके लग आकर्षक गन्तव्य बनल बा । प्राकृतिक सौन्दर्यसँगे धार्मिक, सांस्कृतिक ओ पर्यावरणीय महत्व बोकलके घोडाघोडी ताल क्षेत्र जैविक विविधताके महत्वपूर्ण भण्डारके रूपमो परिचित बा ।

हत्केलाके आकारमे फैलल घोडाघोडी ताल तराई क्षेत्रके प्रमुख प्राकृतिक सिमसार हो । सिमसार क्षेत्रके सबसे भारी घोडाघोडी ताल करिब १३८ हेक्टरमे फैलल बा मने आसपासके १३ ठो तालसमेत जोरना तालसे ओगटलके क्षेत्रफल करिब २४८ हेक्टर पुगल बा । १९ ठो आँला हुइल हत्केला जस्ते एकरके आकृतिसे पर्यटकहे आकर्षित करलै । पूर्व–पश्चिम राजमार्गछेउमे अवस्थित इ क्षेत्र ताल, जङ्गल ओ सिमसारके अनुपम संगम हो । घोडाघोडीके प्रमुख विशेषता यहाँ पाइना चराचुरङ्गीके विविधता हो । चरा संरक्षणके लग काम करलके संघ संस्थाके अभिलेख अनुसार इ क्षेत्रमे ३८१ प्रजातिके चरा पाइठै ।

रैथाने चरासँगे जाडोयाम सुरु हुइलसंगे साइबेरियालगायत डुरके क्षेत्रसे आइना आगन्तुक चरासे यहाँके सिमसारहे थप जीवन्त बनैले बटै । हरिहाँस, बगाले सिम मुर्नी ओ नादुन हाँस जस्ते चराके लग इ क्षेत्र महत्वपूर्ण प्रजनन स्थल मान्जाइठ । भुँडीफोर गरुड, उज्जर गिद्ध, छोट खैरो गिद्ध, हलहले ओ राजधनेस जस्ते दुर्लभ ओ सङ्कटापन्न चराके वासस्थान घोडाघोडीमे रहलके चराविद्हे बटैले बटै । चराके महत्वपूर्ण वासस्थानके रूपमे रहल घोडाघोडीहे २०७८ फागुन २८ गते नेपालके पहिल चरा अभयआरण्य क्षेत्र घोषणा करल रहे । ओस्टेकआघे सन् २००३ मे इ ताल अन्तर्राष्ट्रिय महत्वके सिमसार क्षेत्रके रूपमे रामसार सूचीमे सूचीकृत हुइल हो ।

चराविद् डिआर चौधरीके अनुसार चरा अभयआरण्य घोषणा हुइलपाछे घोडाघोडीमे पर्यटकके चहलपहल बहल बा । उहाँसे आवश्यक प्रचारप्रसार ओ व्यवस्थित चरा अवलोकनके व्यवस्था करे सेक्ना विश्वभरके चराप्रेमीके लग घोडाघोडी आकर्षक गन्तव्य बने सेक्ना बटैले बटै । यहाँ चराचुरङ्गीबाहेक अजिङ्गर, सालक, पानीओत, टमान प्रजातिके कछुवा, चितुवा, चित्तल, रतुवा, बँदेल, नीलगाई ओ सुन गोहीसमेत पाइठै । तालमे ३३ प्रजातिके माछा, ३२ प्रजातिके पुतली ओ ११ प्रजातिके शङखेकिरा अभिलेख करल बटै । इ क्षेत्रमे साल, साज, खयर ओ सतिसाललगायत छ सयसे ढेर प्रजातिके वनस्पति पाइठै ।

घोडाघोडीके महत्व प्राकृतिक सम्पदामे किल सीमित नै हो । ताल किनारमे रहलके थारूहुकनके देउथान घोरीघोरा देवीके मन्दिर ओ शिव मन्दिरमे दर्शन कैना टमान ठाउँसे श्रद्धालु पुग्ठै । माघेसङ्क्रान्ति, शिवरात्रि ओ विवाहपञ्चमीमे धार्मिक मेला लाग्ना करठ । योगी नरहरिनाथसे इ क्षेत्रहे प्राचीन तीर्थ स्थलके रूपमे उल्लेख करल बा । थारू समुदायके टमान किंवदन्ती ओ सांस्कृतिक परम्परासेफे घोडाघोडीके पहिचानहे समृद्ध बनाके घोडाघोडी नगर भलमनसा बुधराम चौधरी बटैलै ।

घोडाघोडी नगरपालिकासे गुरुयोजना अनुसार ताल क्षेत्रके व्यवस्थापन ओ पर्यटकीय पूर्वाधार विकासके काम आघे बहल जनैले बा । नगरप्रमुख खडक रावतसे घोडाघोडीहे राष्ट्रिय ओ अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकीय गन्तव्यके रूपमे *(बाँकी २ पेजमे)*

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न



Advanced Healthcare for all...
निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू

- जनरल फिजिसियन (पेट,छाती,मुटु) रोग विशेषज्ञ
- रेडियोलोजी विशेषज्ञ
- न्युरो, मस्तिष्क, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ
- हाडजोर्नी तथा स्पोर्टस फिजियोथेरापिष्ट
- हाडजोर्नी तथा नशारोग विशेषज्ञ
- जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन
- स्त्री तथा प्रसुति रोग विशेषज्ञ
- नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
- नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ
- एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ
- मुख, अनुहार तथा बङ्गारा विशेषज्ञ
- मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
- छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ
- मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ
- मुटु रोग विशेषज्ञ

भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म

DONATE SAVE LIFE
24घण्टा आकस्मिक सेवा
सिटी स्क्यान सेवा
फिजियोथेरापी सेवा

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com /nisargahospitalnepal

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

कोप–३१ मे नेपालके मुद्दा

विचार
डा. रामहरि पौड्याल

नेपाल जलवायु परिवर्तन सिर्जना करल नाइहो मने यकर सबसे भारी मूल्य चुकैटिरहल देशमध्ये नेपाल अग्रपङ्क्तिमे बा । यिहे हमार समयके सबसे भारी अन्याय हो । हाले रसुवा, मनाङ, मुस्ताङ, म्याग्दी, बागलुङ ओ गोरखा क्षेत्रमे डेखाइल बाढपहिरो, हिमपातजन्य जोखिम ओ नदी थुनलके बनल अस्थायी ताल फुट्के उत्पन्न हुइल विपत्हे केवल प्राकृतिक प्रकोप कहिके बुझ्ना गल्ती हुइ । यी घटना विश्वव्यापी जलवायु संकटके स्थानीय अभिव्यक्ति हो । और स्पष्ट भाषामे कलेसे, औद्योगिक राष्ट्रसे दुई शताब्दीसे उत्सर्जन करल कार्बनके मूल्य नेपालके हिमाल, नदी ओ गाउँ चुकैटि बा ।

हिमालयहे वैज्ञानिक 'तेसर ध्रुव' कठैं । आर्कटिक ओ अन्टार्कटिकपाछे सबसे भारी हिउँ ओ बरफके भण्डार यिहे क्षेत्रमे बा । हिन्दुकुश–हिमालय क्षेत्रसे गंगा, ब्रह्मपुत्र ओ सिन्धु जैसिन नदी बहठ, उ दक्षिण एसियाके करिब १.३ अर्ब मनैन्के जीवन, कृषि, ऊर्जा ओ आर्थिक गतिविधिहे आधार प्रदान करले बा । हिमालय कमजोर होके नेपाल किल नाइकि, सक्कु एसियाके जल, खाद्य ओ ऊर्जा सुरक्षा जोखिममे परि । नेपालके लाग हिमाली नदी केवल नदी नाइहो, विकासके मेरुदण्ड हो । जलविद्युत्, सिँचाइ, खानेपानी, पर्यटन ओ जैविक विविधताके आधार यिहे हिमाली पारिस्थितिके तन्त्र हो मने आज यिहे प्रणाली अभूतपूर्व दबाबमे बा ।

विपत्के नयाँ युग

पाछेक कुछ महिनामे नेपालसे भोगल घटनासे हिमालय आब नयाँ युगमे प्रवेश करल संकेत डेले बा । रसुवाके लामटाङ क्षेत्रमे हुइल विशाल चट्टान, बरफ ओ हिमनदीके पतनपाछे उत्पन्न डेब्रिस फ्लोसे कुछ मिनेटमे भोटेकोशी–त्रिशूली कोरिडोरमे क्षति पुगाइल । जलविद्युत् आयोजना, सडक, पुल ओ सीमावर्ती पूर्वाधारमे अर्बौं डलर बराबरके क्षति हुइल । ओकरपाछे म्याग्दी, बागलुङ, मुस्ताङ ओ मनाङमे क्रमशः आइल बाढ तथा पहिरोसे हिमाली भूगोलके बह्दल अस्थिरता उजागर करल । ओकर कुछ सातापाछे गोरखाके चुम उपत्यकामे पहिरोसे नदी थुनके बनाइल अस्थायी ताल फुट्के बुढीगण्डकी क्षेत्रमे औरे त्रासदी दोहोरल । यी घटना छुट्टाछुट्टे विपत् नाइहो । यी जलवायु परिवर्तन, हिमनदीके पग्लाइ, पर्माफ्रस्टके क्षय, चरम वर्षा ओ भूगर्भीय अस्थिरताके संयुक्त परिणाम हो । वैज्ञानिक यिहिनहे 'क्यास्केडिङ जियोहाजार्ड' अर्थात् एकपाछे औरे जोखिमहे जन्म डेना शृंखलाबद्ध विपत् कहिजाइठ ।

बह्दटि बा जोखिम

विश्वव्यापी तापक्रम वृद्धिके कारण हिमाली क्षेत्र औसतसे तीव्र गतिसे तातल बा । तापक्रम बह्दलसँगे हजारौँ वर्षसे जमल स्थायी हिम भूमि (पर्माफ्रस्ट) पग्ले लागल बा ।

यिहिनसे पहाडके चट्टानहे बाँधके ढरना प्राकृतिक संरचना कमजोर बनैले बा । ओस्टेक हिमनदीके तीव्र संकुचनसे पहाडहे डेह्ल प्राकृतिक आधार हटाइल बा । पहिले हिमनदीसे थामल उकाला आज अस्थिर बन्टि बा । औरेओर, पहिले हिउँ परना ठाउँमे अब्बे वर्षा हुइ लागल बा । वर्षाके पानी चट्टानके चिरामे पेल्के भित्री दबाब बह्दठ ओ अन्ततः भारी पहिरो वा भूस्खलन आइठ । अइसिके हिमालय क्रमशः असुरक्षित ओ अस्थिर बन्टि बा । आजके संकट कौनो एक वर्षके असामान्य मौसम किल नाइहो, यी दीर्घकालीन जलवायु परिवर्तनके प्रत्यक्ष परिणाम हो ।

> हिमाल आज हमारसँग बोलटा । पग्लँटि हिमनदी, विस्तारहोके हिमताल, भसक्के पहाड ओ बह्दल नदीसे एक सन्देश डेटि बा जलवायु परिवर्तन भविष्यके समस्या नाइहो, वर्तमानके यथार्थ हो । नेपालके संघर्ष केवल अपन हिमाल बचैना संघर्ष नाइहो । यी एसियाके पानी बचैना संघर्ष हो । यी ऊर्जा सुरक्षा बचैना संघर्ष हो । यी अर्बौं मनैन्के भविष्य सुरक्षित बनैना संघर्ष हो । यी संघर्ष जैविक विविधताहे बचैना ओ साझा धर्तीहे बैठ्ना लायक बनैना हो । यदि विश्व हिमालयके चेतावनीहे अभिन बेवास्ता करि कलेसे ओकर मूल्य नेपाल किल नाइकि, सक्कु महादेश चुकाइ परि । आबके प्रश्न जलवायु परिवर्तन वास्तविक हो कि नाइको कना नाइहो । वास्तविक प्रश्न टे यी कि जलवायु न्याय कब सुनिश्चित हुइ ? काहेकि न्यायबिनाके जलवायु कार्य केवल नारामे सीमित रहठ ओ हिमालयबिनाके एसिया सुरक्षित नैरहि । हिमाल पगलटि बा मने न्याय अभिन जमल बा । कोप ३१ उ न्याय पगलना साहस देखाइ परि ।

जलवायु न्यायके प्रश्न

सबसे गम्भीर प्रश्न यहाँसे उठठ् । विश्वव्यापी हरितगृह ग्यास उत्सर्जनमे नेपालके योगदान नगण्य बा । नेपाल ना औद्योगिक क्रान्ति करल, ना भारी मात्रामे जीवाश्म इन्धन जराइल, ना वायुमण्डलहे कार्बनसे हुइल मने आज हिमताल फुट्के, पहाड भस्कल, नदी बह्दल ओ पूर्वाधार नष्ट होके सबसे ढेर पीडा नेपाल भोगल । सोझा ओ गरिब नदी किनारके हजारौँ नेपाली अब्बे बिलखबन्दमे परल बटैं ।

यी केवल वातावरणीय समस्या नाइहो यी न्यायके प्रश्न हो । नेपालके गाउँ डुबल बा, किसानके खेत बह्दल बा, जलविद्युत् आयोजना क्षतिग्रस्त हुइल बा ओ राज्य विकासके लाग करल लगानी कुछ घण्टाके विपत्से समाप्त करले बा । ओकरपाछे पुनर्निर्माणके लाग ऋण खोजेपरना अवस्था आइठ । समस्या औरेजे सिर्जना करना, क्षति नेपालसे बेहोरना ओ पुनर्निर्माणके लाग फेन नेपाल ऋण बोक्ना प्रणालीहे कैसिक न्यायपूर्ण कहे सेक्जाइ ? पेरिस सम्झौतासे स्वीकार करल 'साझा मने फरक जिम्मेवारी' के सिद्धान्तके अर्थ यिहे हो कि ऐतिहासिक रूपमे ढेर उत्सर्जन करना राष्ट्रसे ढेर जिम्मेवारी वहन करे परठ । जलवायु वित्त कौनो दान नाइहो, उ ऐतिहासिक जिम्मेवारीके आंशिक वहन हो । टबेमारे नेपाल आब अपनहे केवल सहायता मग्ना राष्ट्रके रूपमे प्रस्तुत करे नैपरठ । नेपालसे विश्व समुदायसँग जलवायु न्यायके माग करना नैतिक ओ कानुनी दुनु आधार रहठ ।

आबके डगर

नेपालसे भविष्यमे जलवायु सहनशील विकासहे राष्ट्रिय प्राथमिकता बनाइ परठ । जलविद्युत्, सडक, पुल, प्रसारण लाइन तथा सहरी पूर्वाधार निर्माण कैके विगतके मौसमहे नाइहो, भविष्यके जलवायुहे आधार बनैना आवश्यक बा । सम्भावित जोखिमयुक्त हिमतालके नियमित अनुगमन, प्रारम्भिक चेतावनी प्रणालीके विस्तार, जलाधार संरक्षण, वैज्ञानिक भूउपयोग योजना ओ समुदायमे आधारित विपत् व्यवस्थापन आब विकल्प नाइहो, आवश्यकता हो । साथे, चीन ओ भारतसँग मौसम, नदी बहाब, हिमताल ओ उपग्रहमार्फत प्राप्त तथ्यांकके वास्तविक समय आदान प्रदान करना संयन्त्र विकास करना अत्यावश्यक बा । हिमाली विपत्से सीमा नैचिन्हठ, टबेमारे समाधान फेन सीमासे उप्पर उठके खोजे परठ ।

नेपालके स्पष्ट मुद्दा

टर्किएके अन्तालियामे कात्तिक २३ से अगहन ४ गते (नोभेम्बर ९–२०) चल्न जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी संयुक्त राष्ट्रसंघीय संरचना महासन्धिके पक्ष राष्ट्रके ३१ औँ सम्मेलन (कोप ३१) हुँइटा । कोप ३१ मे नेपाल केवल पीडित राष्ट्रके रूपमे नाइहो, पर्वतीय राष्ट्रके साझा आवाजके रूपमे नेतृत्व करे परठ । नेपाल अन्तर्राष्ट्रिय समुदायसमक्ष पाँच नीतिगत माग स्पष्ट रूपमे ढरे परठ । पहिल, जलवायुजन्य क्षति तथा नोक्सानी कोषसे ऋण नाइहो, प्रत्यक्ष अनुदानके व्यवस्था सुनिश्चित करेपरठ । जलवायु परिवर्तनके लाग जिम्मेवार नैहोके राष्ट्रहे थप ऋणके भारी बोकाइ नैमिलि । दोसर, हिमालय, एन्डिज ओ अन्य पर्वतीय क्षेत्रके लाग विशेष 'पर्वत तथा क्रायोस्फेयर सुविधा' स्थापना करे परठ, उहिनसे हिमताल जोखिम न्यूनीकरण, पूर्वाधार पुनर्निर्माण ओ स्थानीय समुदायके अनुकूलनमे प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता उपलब्ध कराजाए । तेसर, नेपाल, चीन, भारत, भुटान ओ पाकिस्तानबिच बाध्यकारी हिमालयन जलवायु तथा विपत् सूचना साझेदारी संयन्त्र स्थापना करे परठ, उ अन्तर्गत हिमताल, हिमनदी, वर्षा, नदी बहाब तथा भूस्खलनसम्बन्धी सूचना वास्तविक समयमे आदानप्रदान होए ।

चौठा, हिमालयहे विश्व जल सुरक्षा ओ जलवायु सुरक्षाके रणनीतिक क्षेत्रके रूपमे औपचारिक मान्यता डेहे परठ । जैसिक छोट द्विपीय राष्ट्रके विशेष संवेदनशीलता मान्यता प्राप्त बा, ओस्टेक पर्वतीय राष्ट्रके जोखिमहे फेन विशेष प्राथमिकता डेहे परठ ।

पाँचौँ, उच्च उत्सर्जन करना विकसित राष्ट्र अनुकूलन, पुनर्निर्माण ओ जलवायु सहनशील पूर्वाधारके लाग अपन वित्तीय प्रतिबद्धता उल्लेखनीय रूपमे वृद्धि करे परठ । हिमालयके संरक्षण केवल नेपालके लाग नाइहो, समग्र एसियाके हितके लाग आवश्यक बा ।

निष्कर्ष

हिमाल आज हमारसँग बोलटा । पग्लँटि हिमनदी, विस्तारहोके हिमताल, भसक्के पहाड ओ बह्दल नदीसे एक सन्देश डेटि बा जलवायु परिवर्तन भविष्यके समस्या नाइहो, वर्तमानके यथार्थ हो । नेपालके संघर्ष केवल अपन हिमाल बचैना संघर्ष नाइहो । यी एसियाके पानी बचैना संघर्ष हो । यी ऊर्जा सुरक्षा बचैना संघर्ष हो । यी अर्बौं मनैन्के भविष्य सुरक्षित बनैना संघर्ष हो । यी संघर्ष जैविक विविधताहे बचैना ओ साझा धर्तीहि बैठ्ना लायक बनैना हो । यदि विश्व हिमालयके चेतावनीहे अभिन बेवास्ता करि कलेसे ओकर मूल्य नेपाल किल नाइकि, सक्कु महादेश चुकाइ परि । आबके प्रश्न जलवायु परिवर्तन वास्तविक हो कि नाइको कना नाइहो । वास्तविक प्रश्न टे यी कि जलवायु न्याय कब सुनिश्चित हुइ ? काहेकि न्यायबिनाके जलवायु कार्य केवल नारामे सीमित रहठ ओ हिमालयबिनाके एसिया सुरक्षित नैरहि । हिमाल पगलटि बा मने न्याय अभिन जमल बा । कोप ३१ उ न्याय पगलना साहस देखाइ परि ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

बजेटउप्पर छानबिन प्रतिवेदन बुझ्काइल समयसीमा ओराइल, नैबनल संसदीय समिति

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १८ कार्तिक । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके बजेटमे डेखल बेथिति छानबिन कैना निर्णय कार्यान्वयनमे अलमल हुइल बा । छानबिन प्रतिवेदन बुझ्काइल समयसीमाके दुई दिन किल बाँकी रहल समेत संसदीय समिति गठन हुइ सेकल नै हो ।

प्रदेशसभासे बजेट पारित कैना क्रममे बजेटमे डेखल बेथिति छानबिन कैना सात सदस्यीय संसदीय समिति गठन कैना निर्णय सुनाइल रहे । गत २७ कुवाँरमे बजेट पारित करनाआघे सभामुख भीमबहादुर भण्डारीसे प्रदेशसभा बैठकमे दलीय प्रतिनिधित्वके आधारमे समिति गठन करल घोषणा करल रहे । सहमतिअनुसार २० कार्तिकभिटर समितिसे छानबिन प्रतिवेदन बुझ्काइसेकेक पर्ना बा । मने, प्रतिवेदन बुझ्काइल मिति आइल दुई दिन किल बाँकी रहल समेत समिति गठन हुइ सेकल नै हो ।

संसदीय छानबिन समितिमे सत्तारुढ नेकपा ओ नेकपा एमालेसे अपन सदस्यहुकनके नाम टुंगो लगाइल बटै । एमालेसे संसदीय दलके नेता ओ पूर्वमुख्यमन्त्री राजेन्द्रसिंह रावल ओ प्रमुख सचेतक ओ पूर्वमन्त्री सुरेन्द्रबहादुर पालहे समितिमे पठाइल निर्णय करल बा । ओस्टेक, नेकपासे पूर्वमन्त्री नरेशकुमार शाही, कैलाश चौधरी ओ लक्ष्मी विकके नाम टुंगो लगाइल बा ।

यता, प्रमुख प्रतिपक्षी कांग्रेस ओ राप्रपासे अपनसँगे पर्याप्त छलफल नैकरके समिति गठन प्रक्रिया आघे बढाइल कहटी समितिमे सहभागी नैहुइल अडान लेहल बटै । बजेट पारित कैना क्रममे ओ समितिके कार्यक्षेत्र निर्धारण करलसमेत अपन सँगे परामर्श नैकरल उहाँहुकनके असन्तुष्टि बा ।

बजेटमे समावेश हुइलके विवादित योजना पहिचान करके छानबिन प्रतिवेदनके आधारमे पूरक बजेट ल्याइना सहमति हुइल रहे । मने, छानबिनके जिम्मेवारी पाइना समिति गठन नैहुइट बेथिति पहिचान ओ सुधार कैना योजना अन्योलमे परल बा ।

सुदूरपश्चिमके बजेटहे लैके सत्तारुढ दलभिटर विवाद चर्कलपाछे संसदीय छानबिनके सहमति जुटल रहे । बजेट निर्माणमे बिचौलियाके प्रभाव परलके, कमिसनके खेल हुइल ओ पहुँचके आधारमे योजना छनोट करल कहटी सत्तारुढ दलके सांसदहुकनसे प्रश्न उठाइल रहे । बजेट पारित करेकपर्ना बैठल नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) संसदीय दलके बैठकसे तीन महिनासे डेखलके बजेट शून्यता अन्त्य कैना बजेट पारित कैना, मने ओम्म डेख्के कहाल बेथिति छानबिन करके पूरक बजेट ल्यान्न निर्णय करल रहे । सत्ता साझेदार नेकपा एमासेफे उ निर्णयमे सहमत हुइलपाछे किल नेकपाके सांसदहुकन बजेट पारित कैना तयार हुइल रहे ।

ओस्टेक बीच, छानबिन समिति गठनबारे छलफल कैना सभामुख भण्डारीसे आज सर्वदलीय बैठक बोलाइल बटै । सभामुखसे बोलाइल बैठकमे सहभागी हुइना ओ संसदीय छानबिन समितिमे प्रतिनिधि पठाइल विषयमे निर्णय कैना नेपाली कांग्रेससेफे आज संसदीय दलके बैठक बोलाइल बा ।

पर्यटन प्रवर्धनसँगे सिमसार प्रदूषण नियन्त्रण, फोहोर व्यवस्थापन, वन्यजन्तुके वासस्थान संरक्षण ओ अनियन्त्रित मानवीय गतिविधिके नियमन भर हुइ नैसेकलके स्थानीयके गुनासो बा ।

जैविक विविधताके...

विकास करके देश विदेशसे पर्यटक भित्याइना उद्देश्यसहित काम हुइटीरहलके बटैले बटै । नगरपालिकासे पर्यटन व्यवस्थापनके ठेक्का प्रक्रियासे स्थानीय युवाके जिम्मा लगाइल बा ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे आउईयाहुक्नहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्नसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्नहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्चुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८४८४३७०१८,
९८१४६०८०४६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०३८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२७३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२७१४०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२७२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-४४०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२४७१
ईप्रका लम्की ०९१-४४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-४८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-४२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-४४०१२२
ईप्रका फल्दुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-४२९१४४
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०४
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-४६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-४२३६४३
कृषि विकास बैक ०९१-४२९२३४
मालिका विकास बैक०९१-४२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-४२४६४०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-४२१७८४
सिटिजन बैक ०९१-४२७४८४
कुमारी बैक ०९१-४२६०३८
सनराईज बैक ०९१-४२४८४०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-४२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-४२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२११०१
जिल्ला विकास .०९१-४३२४६०
नगरपालीका .०९१-४२१४२९
मालपोत.०९१-४२१२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२२४४५, भूमि सुधार.०९१-४२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-४२११४२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६४
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२१२७१
नवजिवन ०९१- ४२१२३३/४२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४
पद्मा धनगढी ०९१-४४०३४४
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-४४०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२१२३७, ४२३९७१
एम्बुलेन्स : ४२१६००
सामुहायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८४४७४४०
विद्युत : ४२११४४
दिनेश मेटल ०९१-४२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-४२३९१८/४२४९३१
जगदम्बा०९१-४२३४९०, बिद्या०९१-४२३२७३
तरुण ०९१-४२४६९३, सनलाईट०९१-४२१४३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१
ब्लानुप्लाजा०९१-४२२८३०/४२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४११४
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-४२१२४२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१

मागअनुसार प्राविधिक शिक्षाके पाठ्यक्रम आवश्यक: मुख्यमन्त्री आचार्य

पहुरा समाचारदाता

दाङ १८ कार्तिक । लुम्बिनी प्रदेशके मुख्यमन्त्री चेतनारायण आचार्य प्राविधिक शिक्षाहे श्रम बजारके माग ओ निजी क्षेत्रके आवश्यकतासँग जोरके दक्ष जनशक्ति उत्पादन करेपर्ना बटैले बटै ।

लुम्बिनी प्रदेश सरकारके सामाजिक विकास मन्त्रालयसे बुधके राप्ती उपत्यका(देउखुरी)मे आयोजना करल प्राविधिक तथा व्यावसायिक सीप ओ निजी क्षेत्रके सीप आवश्यकता सम्बन्धी अन्तरक्रिया कार्यक्रममे बोल्टी मुख्यमन्त्री आचार्य बजारके मागअनुसार पाठ्यक्रम परिमार्जन ओ सीप विकासके कार्यक्रम सञ्चालन करेपर्ना बटैलै ।

प्राविधिक शिक्षामे लगानी बहलेसे फे शिक्षालयमे विद्यार्थीके आकर्षण घट्टी जैना ओ कतिपय शिक्षालय बन्द हुना अवस्थामे पुन चिन्ताके विषय रहल उहाँ बटैलै । परम्परागत शिक्षण शैली ओ बजारके आवश्यकतासंग मेल नैखैना पाठ्यक्रमके कारण प्राविधिक शिक्षाप्रति आकर्षण घटल हुई सेक्ना उहाँके कहाई रहे ।

'प्राविधिक क्षेत्रमे लगानी बहल बा । मने, हम्रे बजारसे माग करल आधारमे जनशक्ति तयार पारे सेकल बटी की नैहुई, समीक्षा कैना जरुरी बा', उहाँ कहलै, 'अब्बे प्राविधिक विद्यालयमे विद्यार्थी भर्ना हुई नैसेकल अवस्था बा । बजारके मागअनुसार



पाठ्यक्रम बनाई नैसेकल हो कि कना विषयमे सीटीईभीटीसे समीक्षा करेपरठ ।' मुख्यमन्त्री आचार्य रोजगारीके खोजीमे रहल युवाहे उद्यमशीलतासँग जोरटी दक्ष जनशक्तिमे रूपान्तरण कैना प्रदेश सरकारसे थप कार्यक्रम सञ्चालन कैना बटैलै । बजारके आवश्यकता पहिचान करके उहे अनुसार तालिम ओ पाठ्यक्रम निर्माण करेपर्नामे उहाँ जोड डेलै ।

लुम्बिनी प्रदेशमे विद्युतीय तथा मेकानिकल क्षेत्रके दक्ष जनशक्तिके माग करिब ५२ प्रतिशत रहल बा । मने, प्राविधिक शिक्षालयसे उत्पादन हुइना जनशक्तिके सीप ओ उद्योगके वास्तविक आवश्यकताबीच तालमेल हुई नैसेकल अध्ययनसे डेखैले बा । दक्ष तथा अनुभवी प्राविधिक जनशक्ति उपलब्ध नैहुके उद्योग अन्य जिल्ला ओ भारतमे निर्भर हुईपर्ना अवस्था रहल निजी क्षेत्रके प्रतिनिधिहुक्रे बटैले बटै ।

निजी क्षेत्रले श्रम बजारके मागअनुसार पाठ्यक्रम निर्माण, प्राविधिक शिक्षालय ओ उद्योगबीच समन्वय, दक्ष प्रशिक्षकके व्यवस्था तथा व्यावहारिक अभ्यासलहे प्राथमिकता डेहेपर्ना सुझाव डेहल बा । पहटी, सिक्टी ओ कमैटी कार्यक्रम प्रभावकारी बनाईपर्ना तथा निजी क्षेत्रके सहभागितामे सीप विकासके कार्यक्रम सञ्चालन करेपर्नाफे जोड डेहल रहे ।

लुम्बिनी प्रदेशमे आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के लाग टमान मन्त्रालयमार्फत प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा ओ तालिम (टीभीईटी) क्षेत्रमे ४१ करोड ४९ लाख रुप्या बजेट विनियोजन हुइल बा । सामाजिक विकास मन्त्रालयमे ३० करोड १४ लाख ५२ हजार, उद्योग, पर्यटन तथा यातायात मन्त्रालयमे ८ करोड ४७ लाख ३५ हजार, कृषि, भूमि तथा सहकारी मन्त्रालयमे २ करोड १७ लाख, युवा तथा खेलकुद मन्त्रालयमे ५२ लाख ओ वन तथा वातावरण मन्त्रालयमे १२ लाख रुपैयाँ विनियोजन हुइल प्रस्तुतिमे उल्लेख बा ।

प्रदेशमे १५ से ६५ वर्ष उमेर समूहके जनसंख्या ६४.९ प्रतिशत बा । साक्षरता दर ७८.१ प्रतिशत ओ बेरोजगारी दर ७.५ प्रतिशत रहल बा । श्रमशक्तिमध्ये कृषि, वन तथा मत्स्यपालन क्षेत्रमे ६०.३ प्रतिशत, सेवा क्षेत्रमे ३६.२ प्रतिशत ओ औद्योगिक उत्पादन क्षेत्रमे ३.५ प्रतिशत संलग्न बटै ।

सामाजिक विकासमन्त्री रामजीप्रसाद घिमिरेके अध्यक्षता तथा मुख्यमन्त्री चेतनारायण आचार्यके प्रमुख आतिथ्यतामे कार्यक्रम सम्पन्न हुइल रहे । मन्त्रालयके सचिव सुशीला अर्याल स्वागत करल कार्यक्रममे वरिष्ठ शिक्षा अधिकृत बेगम केसी सहजीकरण करल रहिट ।

लुम्बिनी प्रदेश योजना आयोगके सचिव खिमबहादुर कुँवर, सामाजिक विकास मन्त्रालयके प्राविधिक शिक्षा महाशाखा प्रमुख हरिकला सारु ओ रुपन्देही उद्योग संघके अध्यक्ष कृष्णप्रसाद पराजुली प्राविधिक शिक्षाके अवस्था, अवसर ओ निजी क्षेत्रके सीप आवश्यकताबारे प्रस्तुति राखल रहिट । कार्यक्रममे सरकारी निकाय, प्राविधिक शिक्षालय ओ निजी क्षेत्रके प्रतिनिधिहुकनके सहभागिता रहे ।

नैसर्ने रोग नियन्त्रणके लाग रोकथाम ओ जनचेतनामे जोड डेटी सरकार

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौँ, १८ कार्तिक । सरकारसे नैसर्ना रोगके रोकथाम तथा नियन्त्रणके लाग बहुक्षेत्रीय कार्ययोजनाके प्रभावकारी कार्यान्वयन कैना हुइल बा ।

सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्रमे सुधारहे तीव्रता डेना उद्देश्यसे सरकारसे रोकथाम, जनचेतना ओ नियमित स्वास्थ्य परीक्षणमे जोड डेहल हो ।

यिहे क्रममे मंगर सिंहदरबारस्थित प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्के कार्यालयमे प्रधानमन्त्री वालेन्द्र शाहके स्वास्थ्य सल्लाहकारके अध्यक्षतामे नैसर्ना रोगके वर्तमान अवस्थाबारे छलफल हुइल बा ।

बैठकसे स्वास्थ्य प्रवर्द्धनमार्फत नैसर्ना रोगके दीर्घकालीन रोकथामके लाग पहल कैना निष्कर्ष निकारल बा । साथे, बहुक्षेत्रीय कार्ययोजनाके प्रभावकारी कार्यान्वयनके लाग सक्कु मन्त्रालयसँग अन्तरक्रिया कैना ओ नियमित समीक्षा बैठक सञ्चालन कैना निर्णय करले बा ।

बैठकमे स्वस्थ जीवनशैलीसम्बन्धी जनचेतना फैलैना, नैसर्ना रोग नियन्त्रणके लाग स्थानीय तहसँग समन्वय कैना, विद्यालय तहसे सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा लागु कैना तथा विशेषज्ञ चिकित्सकहे देशमे टिकैना विषयमे छलफल हुइल प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्के कार्यालय जनैले बा ।

सुर्तीजन्य पदार्थ, इनर्जी ड्रिंक, जंक फुड, विषादीयुक्त खैनाचिज ओ अस्वस्थ जीवनशैलीहे नैसर्ना रोगके प्रमुख कारकके रूपमे औँल्यइटी ओकर नियन्त्रण तथा नियमनमे प्रभावकारी कदम चालेपर्नामे बैठकसे जोड डेहल बा ।

सरकारसे चालु आर्थिक वर्ष २०८३८४ मे क्यान्सरलगायत नैसर्ना रोग नियन्त्रणाके लाग उपचारसे रोकथाम, जनचेतना, नियमित परीक्षण ओ जीवनशैलीमे आधारित रणनीति कार्यान्वयन कैना नीति लेहल बा ।

सन् २०३० सममे नैसर्ना रोगसे हुइना अकाल मृत्यु एक तिहाइसे घटैना दिगो विकास लक्ष्यप्रति नेपाल प्रतिबद्ध रहलफे सरकारसे जनैले बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

प्रहरीके ३४औं आईजीपी बन्लै मनोज केसी

काठमाडौं, १८ कार्तिक । सरकारसे दानबहादुर कार्कीहे जिम्मेवारी मुक्त करलपाछे एआईजी डा. मनोज केसी नेपाल प्रहरीके ३४ औं प्रहरी महानिरीक्षक बनल बटै ।

मन्त्रिपरिषद्के बुधके बैठल बैठकसे प्रहरीके अपराध अनुसन्धान विभागके प्रमुखमे रहल एआईजी मनोज केसीहे आईजीपीमे बढुवा कैना निर्णय करल हो ।

२७ चैत २०८४ सम कार्यकाल रहल आईजीपी दानबहादुर कार्कीहे प्रधानमन्त्रीके विशेष सुरक्षा सल्लाहाकारमे सरुवा करटी केसीहे सरकारसे आईजीपी बनैना निर्णय करले बा ।

अभिन करिब डेढ वर्ष सेवा अवधि रहल कार्कीहे हटाके केसीहे आईजीपी बनैना सरकारसे निर्णय करल हो ।

यी आघे सरकारस २०५३ सालमे अच्युत कृष्ण खरेलहेफे आईजीपीसे हटाके राष्ट्रिय अनुसन्धान विभागमे सरुवा करल रहे । मने उहाँ हाजिर हुई नैगिलै । दरबन्दी नैरहल ठाउँमे सरुवा करल कहटी उहाँ सर्वोच्च अदालत गैल रहिट ।

उहाँहे हटाके सरकारसे धुवबहादुर प्रधानहे आईजी बनाइल रहे । सर्वोच्चसे मुद्दा जिटलपाछे खरेल पुन आईजीपी हुइलेसे । ओकरपाछे सरकारसे प्रधानहे प्रधानमन्त्रीके विशेष सुरक्षा सल्लाहाकारमे सरुवा करल रहे ।

उहाँ सुरक्षा सल्लाहाकारमे बैठल काम करल रहिट । रमेश चन्द ठकुरीहेफे सरकारसे सुरक्षा सल्लाहाकारमे सरुवा करल रहे । उ बेला सुडान घोटाला काण्डमे मुछल कहटी सरकारसे उहाँहे सुरक्षा सल्लाकारमे सरुवा करल रहे । टब उहाँक ठाउँमे रवीन्द्र प्रताप शाहहे आईजीपी बनाइल रहे ।

अब्बे आईजीपी नियुक्त हुइल केसीफे डेढ वर्षआघे हटाइल दानबहादुर कार्कीके ब्याची हुइट । ओइने दुनु जाने



२८ चैत २०५४ मे प्रहरी निरीक्षक (इन्स्पेक्टर)मे भर्ना हुइल रहिट ।

२६ अगहन २०६६ मे उहाँ डीएसपीमे बढुवा हुइलै । १९ सावन २०७४ मे केसी एसपीमे बढुवा हुइल रहिट ।

३ सावन २०७९ मे एसएसपीम बढुवा हुइलै । १३ जेठ २०८१ मे डीआईजीमे बढुवा हुइल रहिट कलेसे ११ वैशाख २०८२ मे एआईजीमे बढुवा हुइल रहिट ।

एआईजीमे बढुवा हुईबेर उहाँ टिसरा नम्बरमे रहिट । पहिल नम्बरमे अब्बे सुरक्षा सल्लाहाकारमे सरुवा करल कार्की दुसरा नम्बरमे राजन अधिकारी रहिट । टिसरा नम्बरमे केसी रहिट ।

कार्कीहे प्रधानमन्त्रीके विशेष सल्लाहकार पदमे रख्टी दुसरा नम्बरके अधिकारीहे समेत पाछे परटी सरकारसे केसीहे आईजीपी बनाइल हो ।

केसी अपराध अनुसन्धान कार्यालयके प्रमुख रहल बेला केसीके अगुवाईमे नेपाली नागरिकहे नक्कली भुटानी शरणार्थी बनाके अमेरिका लैजैना कहटी ठगी प्रकरणके अनुसन्धान करल रहिट ।

यी घटनाके अनुसन्धानपाछे केसीके चर्चा हुइल रहे । संयोग यैसिन रहे भुटानी प्रकरणके अनुसन्धानके सुत्राधार केसी रहिट कलेसे यकर मुद्दाके फाँट भर अब्बे आईजीपीसे हटाइल कार्की करल रहिट ।

डा. केसीसे कम्बोडियाके पन्नासत्र विश्वविद्यालयसे द्वन्द्व रुपान्तरण विषयमे विद्यावारिधी करल हुइट ।

केसीसे पन्नासत्र विश्वविद्यालयस व्यवहारिक द्वन्द्व रुपान्तरण अध्ययनमे एमएम, त्रिभुवन विश्वविद्यालयस समाजशास्त्रमे एमए ओ टियुसे जनप्रशासनमे स्नातकोत्तकर करले बटै ।

नेपाल प्रहरीमे पहिल चो लागु हुइल स्टाफ कलेजके संस्थापक निर्देशक समेत हुइट केसी । उहाँ प्रहरी एकेडेमीमे रहेबेर प्रहरी विज्ञानमे स्नातकोत्तरके पाठ्यक्रम निर्माण करल रहिट ।

उहाँ प्रहरीके केन्द्रीय अनुसन्धान ब्यूरो (सीआईबी), अपराध अनुसन्धान विभाग, काठमाडौं उपत्यका अपराध अनुसन्धान कार्यालय, जिल्ला प्रहरी कार्यालय रुपन्देही लगायत टमान जिल्लाके समेत कमाण्ड करले बटै ।

सीआईबीमे कार्यरत रना आघे केसी हेडक्वार्टरमे रहल प्रदेश समन्वय विभागमे कार्यरत रहिट । डीआईजी रहेबेरभर विशेष ब्यूरो ओ प्रहरी एकेडेमीमे बैठके काम करल अनुभव उहाँसंग बा ।

एसएसपी रहेबेर अपराध अनुसन्धान कार्यालयपाछे उहाँहे हेडक्वार्टरस्थित महिला बालबालिका तथा ज्येष्ठ नागरिक निर्देशनालयमे सरुवा करल रहिट ।

उहाँ सीआईबीमे रहे भर पर्यटकीय क्षेत्रमे हुइना फेक रेस्क्यु अर्थात् नक्कली हवाई उद्धार ठगी, स्मार्ट टेलिकममे रहल ठगी, धितोपत्र तथा बिमा ठगी, क्रिप्टोकरेन्सी अपराध, ओ सरकारी जग्गा अतिक्रमण तथा हिनामिना जैसिन विषयके अनुसन्धान नेतृत्व करल रहिट ।

उहाँ युएन मिसनमे खटल काम करलेसेफे अनुभव बा । युएनके कोसोभो मिसन, हैटी मिसनमे सुरक्षा अधिकृतमे रुपमे खटके काम करल रहिट । केसी फ्रान्सेली ओ स्पेनी भाषामेफे दख्खल रख्ठै ।

उहाँ इन्हान्सिङ पुसिङ नेपाल ओ आइडिन्टी इफेक्टिभ मेजर्स टु कम्ब्याट अर्गनाइज्ड क्राइम इन पोस्ट कन्फिल्ट काठमाडौं करके दुई ठो पुस्तक समेत लिखल बटै ।

फरार एक प्रतिवादी पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १८ कार्तिक । कैलाली जिल्लाके फैसला कार्यान्वयनके सिलसिलामे जिल्ला अदालत चोरी मुद्दामे ३ महिना कैद सजाय ओ रु. ५ हजार जरिवाना तोकलके जिल्ला कैलाली धनगढी उ.म.न.पा.१३ बैठना वर्ष ३१ के सुरज चौधरीहे पक्राउ करल बा । मंगरके रोज जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटलके प्रहरी टोलीसे पक्राउ करल हो ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गौं रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

कृषि ओ पशुपन्छीके बिमामे जोड

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १८ कार्तिक । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे कृषि, पशुपन्छी ओ जडीबुटी बिमा कार्यक्रमहे प्रभावकारी बनैना तीनै तहके सरकार, बिमा प्राधिकरण, बिमा कम्पनी ओ किसानबिच समन्वय ओ सहकार्य बह्रेकपर्नामे जोड डेहल बा ।

संयुक्त राष्ट्रसंघीय विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सहयोगमे संघीय कृषि, वन ओ पर्यावरण मन्त्रालयके आयोजना ओ प्रदेशके भूमि व्यवस्था, कृषि ओ सहकारी मन्त्रालयके समन्वयमे आज कैलालीके धनगढीमे आयोजित 'कृषि, पशुपन्छी ओ जडीबुटी बिमासम्बन्धी प्रदेशस्तरीय अभिमुखीकरण' कार्यक्रममे सहभागी असिन जोड डेहल हो ।

कृषि क्षेत्रमे प्राकृतिक विपद्, रोग ओ अन्य जोखिमके कारण किसानसे ठूलो आर्थिक क्षति बेहोरेकपर्ना अवस्था रहलसे बिमाके पहुँच विस्तार ओ कार्यान्वयन प्रभावकारी बनैकपर्ना उहाँहुकनके कहाइ रहे । बिमा प्रिमियमके ८० प्रतिशत संघीय सरकार ओ २० प्रतिशत प्रदेश सरकारसे बेहोर्ना व्यवस्था हुइटसमेत सुदूरपश्चिममे किसानके आकर्षण नैबह्रल कहटी वक्ताहुकनसे बिमाके महत्व ओ आवश्यकताबारे गाउँगाउँमे सचेतना फैलाइकपर्ना बटैल रहे ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश नीति ओ योजना आयोगके उपाध्यक्ष गोकर्णप्रकाश भट्टसे प्रदेशके भारी



भूभाग हिमाली क्षेत्रमे पर्ना हुइल जोन बेला भोटेकोशी ओ बूढीगण्डकीमे जस्ते विपद् आइसेक्ना बटैलै । उहाँसे जोखिमके नक्सांकन करके उहे अनुसार बिमा करेकपर्नामे जोड डेहटी किसानहे उत्प्रेरित कैना वडा तहसम सचेतना कार्यक्रम विस्तार ओ प्रविधिके अधिकतम उपयोग कैना आग्रह करलै ।

कृषि, वन ओ पर्यावरण मन्त्रालयके योजना ओ विकास सहायता समन्वय महाशाखा प्रमुख सहसचिव डा. हरिबहादुर केसीसे 'कृषि, पशुपन्छी ओ जडीबुटी बिमाके प्रिमियममे अनुदान उपलब्ध करल कार्यविधि, २०८३' अनुसार गत भदौसे इ सम्बन्धी सम्पूर्ण अधिकार प्रदेशमे हस्तान्तरण हुइल उहे अनुसार काम कैना प्रदेश सरकारहे आग्रह करलै ।

अधिकार कार्यान्वयनके क्रममे डेखल समस्या समाधान कैना संघीय सरकार तयार रहलके उल्लेख करटी उहाँसे बिमा कार्यक्रमके प्रभावकारिता बह्रल सब पक्षके सहकार्य आवश्यक रहल बटैलै । प्रदेशके कृषि मन्त्रालयके निमित्त सचिव श्यामसिंह खड्कासे कृषि बिमाहे कल्याणकारी अवधारणाके रूपमे बुझ्केकपर्ना बटैटी प्रदेश सरकारसे उहे आधारमे प्रिमियममे २० प्रतिशत साझेदारी करटी आइलके जानकारी डलै । उहाँसे विगतमे डेखलके समस्या ओ चुनौतीके आधारमे समाधानके उपाय खोजेकपर्ना उल्लेख करटी ओकर लग सक्कु पक्षसँगे सहकार्य कैना मन्त्रालय तयार रहलके बटैलै ।

अभिमुखीकरणमे सहभागी किसान ओ अन्य सरोकारवालासे बिमा कार्यक्रमके नियमित अनुगमन ओ मूल्याङ्कन, बिमा दाबी भुक्तानीमे सहजीकरण, बिमासम्बन्धी सचेतना अभिवृद्धि, दुर्गम क्षेत्रके समस्या सम्बोधन कैना फरक नीति अवलम्बन ओ बिमा अभिकर्ताके कमिसन वृद्धि करेकपर्ना सुझाव डेहल रहे ।

बिमा कार्यक्रमहे कागजमे सीमित नैराखी वास्तविक किसानके जोखिम न्यूनीकरण ओ आर्थिक सुरक्षासँगे जोरेकपर्ना ओ सुदूरपश्चिमके दार्चुला, बैतडीलगायत बिमाके पहुँच कम हुइलके क्षेत्रमे लक्षित गतिविधि सञ्चालन करेकपर्नामे सहभागीसे जोड डेहल रहे । कार्यक्रममे कृषि, पशुपन्छी ओ जडीबुटी बिमा कार्यक्रम, कार्यविधिमे करलके व्यवस्था, हालसमके अवस्था ओ सरोकारवालाके भूमिकालगायत विषयमे विज्ञहुकनसे प्रस्तुतीकरण करल रहे । अभिमुखीकरणमे संघीय ओ प्रदेश मन्त्रालय ओ मातहतके निकाय, नेपाल बिमा प्राधिकरण, यूएनडीपी लगायत संस्थाके प्रमुख ओ प्रतिनिधिके सहभागिता रहे ।

बाघके आक्रमणसे एक जानेक मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

चितवन, १८ कार्तिक । भरतपुर महानगरपालिका–२७ स्थित राधाकृष्ण सामुदायिक वनके बेथरी खोलालग्गेक बाघके आक्रमणसे एक जानेक मृत्यु हुइल बा ।

मगरके दुपहर दुई बजेक समयमे कोचिया टुरे गैल चार जाने मध्ये भरतपुर महानगरपालिका–२७ बैठना ४६ वर्षीय भीम महतोहे बाघसे आक्रमण करके लैगिल रहे ।

घटनाबारे निजसंगे गैल संघरीयाहुक्रे उहे दिन १७:४५ बजे इलाका प्रहरी कार्यालय दिव्यनगर, चितवनमे जानकारी गैल रहिट ।

जानकारी प्राप्त हुइटी की नेपाल प्रहरी, चितवन राष्ट्रिय निकुञ्ज, नेपाली सेना, स्थानीयवासी तथा वनके कर्मचारीके समन्वयमे खोजतलास कैना क्रममे बुधके सकारे १०:५५ बजे चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जभिटर महतोके शव फेला परल रहे ।

शव फेला परल ठाउँमे लग्गे रहल बाघहे डार्ट मारके नियन्त्रणमे लेहल बा कलेसे उ घटनाबारे थप अनुसन्धान समेत हुइटी रहल बा ।

नवउद्यमी सम्मेलनमे विवाद

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १८ कार्तिक । सुदूरपश्चिममे लावा उद्यम स्थापना ओ उद्यमशीलता प्रवर्द्धन कैना उद्देश्यसे आयोजित 'सुदूरपश्चिम नवउद्यमी सम्मेलन' विवादमे परल बा । तीनसे सम्मेलनके अन्तिम दिन पूर्वनिर्धारित कार्यक्रमअनुसार ग्रान्ड फिनासे पिचिङ ओ विजेता घोषणा नैहुइल कहटी सहभागी युवा उद्यमीहुकनसे आयोजकसँगे जवाफ मागल बटै ।

सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयअन्तर्गत कैलाली बहुमुखी क्याम्पसके इन्क्युबेसन सेन्टरसे आयोजना करल सम्मेलनमे 'स्थानीय सम्भावनासे लगानीयोग्य उद्यमसम' कना नारासहित युवाहे व्यवसाय सञ्चालन, लगानी व्यवस्थापन, बैंकसे ऋण लेना प्रक्रिया ओ ब्याजसम्बन्धी विषयमे जानकारी डेहल रहे ।

सम्मेलनमे सहभागी करिब १५० उद्यमीमध्ये ५१ जाने छनोट करके लगानीकर्ता, उद्योगी, प्रायोजक ओ अन्य सरोकारवालाके उपस्थितिमे ग्रान्ड फिनालेमे बिजनेस पिच करल जानकारी डेहल सहभागीहुकनके कहाइ बा । मने, अन्तिम डेना छनोट हुइल उद्यमीलहे पिच कैना अवसर नैडेहल ओ नतिजासमेत सार्वजनिक नैकरल कहटी सहभागीहे असन्तुष्टि जनाइल हो । उहाँहुकनसे छनोटके आधार ओ मापदण्ड, कार्यक्रम व्यवस्थापन ओ सिड फन्ड वितरण प्रक्रियाबारे स्पष्ट जानकारी डेना माग करल बटै ।

सम्मेलनमे सहभागी जान्वी जोशी पूर्वनिर्धारित कार्यविधिअनुसार अपनहे बिजनेस पिच कैना अवसर नैडेहल कहटी प्रश्न उठाइल बटै । छनोट प्रक्रिया, ग्रान्ड फिनासे पिचिङ स्थगित हुइनाके कारण ओ विजेता घोषणा ओ सिड फन्ड वितरणबारे आयोजकले स्पष्ट पार्नुपर्ने उनको माग बा । 'हम्रे तीन दिनसम कार्यक्रमहे समय डेलै मने अन्त्यमे कार्यविधिमे उल्लेख करल अनुसार हमार पिच करना डेहल' उहाँ कहलै ।

ओस्टेक, पी एण्ड एन सप्लायर्सके सञ्चालक ओ सहभागी सुभाष बिष्ट आठ हप्ताके वास्तविक कारोबार, बिजनेस मोडल क्यानभास ओ ४० सेकेन्डके पिचसहित तयारी करल एलिभेटर राउन्डमे सहभागी हुइल बटैले बटै । छनोटमे नैपरलके नतिजाहे स्वीकार करल फे छनोट हुइल सहभागीसे समेत अन्तिम चरणमे पिच कैना अवसर नैपाएना ओ नतिजा सार्वजनिक नैहुइना अन्योल सिर्जना करल उहाँके कहाइ बा ।

कैलाली बहुमुखी क्याम्पसके स्ववियु अध्यक्ष सन्तोष पन्तसेफे सम्मेलनके व्यवस्थापन ओ सञ्चालन प्रक्रियाउप्पर प्रश्न उठाइल बटै । पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम तालिका कार्यान्वयन नैहुइल टमान जिल्लासे आइल नवउद्यमी अपेक्षित उपलब्धिबिना लौटेकपरल ओ जुरीसे समीक्षा ओ प्रतिक्रिया नैपाइलके उहाँ बटैलै । मेन्टर, संस्थापक ओ लगानीकर्तासँगे अन्तरक्रिया कैना अवसरसमेत नैपाइलके उहाँके गुनासो बा । 'होहल्लाकिल ढेर हुइल मने हम्रे सोचल जस्ते प्रतिफल नै पैली,' पन्त कहलै ।

उहाँसे छनोट हुइल ५१ उद्यमके छनोट प्रक्रिया पारदर्शी बनैकपर्ना ओ उत्कृष्ट १० उद्यमहे पाँच–पाँच लाख रुप्याँ डेना कहाल विषयमे समेत स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक करेकपर्ना बटैले बटै ।

यता, सम्मेलनके संयोजकसमेत रहल कैलाली बहुमुखी क्याम्पसके सहप्राध्यापक राजेन्द्रबीर चन्द कहलै कार्यक्रमहे प्रतिस्पर्धाके रूपमे बुझ्न नैहुइल बटैले बटै । युवाहे नवप्रवर्तन ओ उद्यमशीलतामे प्रोत्साहित करटी उहाँहुकनके व्यावसायिक अवधारणाहे परिष्कृत कैना उद्देश्यसे कार्यक्रम सञ्चालन कैना सम्मेलन आयोजना करल उहाँके कहाइ बा ।

चन्दके अनुसार छनोट हुइल ५१ जाने सहभागीके लग अब थप ९० दिनके कक्षा सञ्चालन करल बा । उ अवधिमे उद्यम सञ्चालन, व्यवस्थापन ओ नवप्रवर्तनलगायत विषयमे थप ज्ञान ओ सीप प्रदान करल बा । ९० दिन कार्यक्रम सम्पन्न हुइलपाछे उत्कृष्ट ओ योग्य १० जाने उद्यमी छनोट करल उहाँ बटैलै ।

कार्यक्रम सञ्चालनके लग सरकार ओ अन्य कुछ निकायसे अनुदान ओ आर्थिक सहयोग प्राप्त नैहुइल उल्लेख करटी चन्दसे युवाहे अपन व्यावसायिक सोच ओ नवीन अवधारणा आघे बह्रल आवश्यक प्लेटफर्म उपलब्ध करल सम्मेलनके मुख्य उद्देश्य रहलके स्पष्ट पारलै । उहाँके अनुसार सहभागी युवाहे बैंक ओ वित्तीय क्षेत्रके विज्ञसंगे समन्वय ओ सहकार्य कैना अवसरसमेत प्रदान करल बा । ९० दिने क्याम्प सम्पन्न हुइलपाछे सम्भावना बोकल उद्यमीहे लगानीकर्तासँगे छलफल ओ अन्तरक्रिया कैना वातावरण तयार करल उहाँ बटैलै ।

धानके बजार सुनिश्चित करटी कृषि सहकारी

पहुरा समाचारदाता

बाँके, १८ कार्तिक । बाँकेके राप्ती सोनारी गाउँपालिका–६ स्थित साकार कृषि सहकारी संस्था लिमिटेडसे यी वर्ष किसानसँग गाउमे १० हजार क्विन्टल धान खरिद कैना हुइल बा ।

किसानसे उत्पादन करल सक्कु जातके धानके उचित मूल्य सुनिश्चित करके धान खरिद कैना कार्य सुरु करल सहकारीके मुख्य प्रबन्धक जमानसिंह वली बटैलै ।

"स्थानीय कृषकहे प्रोत्साहन कैना ओ ओइनके उत्पादनके उचित मूल्य सुनिश्चित कैना धान खरिद कैना योजना बनाइल बा," वलीसे कहलै, "सहकारीसे किसानके मेहनतहे सम्मान करटी धानके फरक–फरक मूल्य निर्धारण करले बा ।"

उहाँक अनुसार सहकारीसे मसिना धान प्रतिक्विन्टल रु तीन हजार २००, राधा ४ मोटा प्रतिक्विन्टल रु. दुई हजार ८५०, हाइब्रिड (जुन सुकै) प्रतिक्विन्टल रु दुई हजार ७५० मूल्य निर्धारण करले बा । सहकारीसे घोषणा करल यी योजनाअन्तर्गत धान बेच्न इच्छुक कृषकसे सम्बन्धित धान संस्थाके गोदाम घर तथा सङ्कलन केन्द्रमे ल्याने पर्ना बा ।

किसानके १० हजार क्विन्टल धान गाउमे खरिद कैना यी अभियानसे राप्ती सोनारी क्षेत्रके किसानके आर्थिकस्तर उकास्न ओ ओइनहे बजारीकरणमे सहजता प्रदान कैना महत्वपूर्ण भूमिका खेल्न अपेक्षा करल उहाँक कहाई बा ।

राप्ती सोनारी–६ फत्तेपुरके टेपरीमे केन्द्रीय कार्यालय रहल साकार कृषि सहकारी संस्थामे आठ हजार ढेर किसान सदस्य रहल बटै । राप्ती सोनारी–५ बिनौनास्थित सहकारीके गोदाममे किसानके धान खरिद करके भण्डारणके व्यवस्था मिलाइल संस्थाके अध्यक्ष हुमाशंकर वली बटैलै ।

उहाँक अनुसार, सहकारीसे किसानहे बीउ धान उत्पादनके लागफे प्रोत्साहन करटी आइल बा । किसानसे उत्पादन करल बीउ धान सहकारीसे खरिद कैना करल बा ।

साकार कृषि सहकारी संस्थासे किसानके हितहे दृष्टिगत करटी कुल रु ५५ लाखके लागानीमे यी वर्षसे अत्याधुनिक 'सिल्की चामल मिल' जडान करके सञ्चालनमे ल्यानल बा । यी मिल सञ्चालनमे आइलसंगे राप्ती सोनारीके किसानस उत्पादन करल धान सहकारीमार्फत सहजे बिक्री वितरण हुइना बा । कुटानी–पिसानीके सुविधा गाउँमे उपलब्ध हुइल वलीके कहाई बा ।

स्थानीय तहमे कृषि उपजके प्रशोधन ओ बजारीकरणके व्यवस्था हुइलपाछे राप्ती सोनारीके किसानमे व्यावसायिक कृषिप्रतिके आकर्षण थप बह्ना विश्वास लेहल उहाँ बटैलै ।

खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनी लिमिटेडसे बाँके जिल्लामे धान खरिदके लाग १० हजार क्विन्टल केल्ह कोटा निर्धारण हुइलमे गाउँ–गाउँमे सहकारीसे धान खरिद कैना कार्य करलेसे किसानहे भारी राहत हुइना किसान महासंघ बाँकेके अध्यक्ष कृष्णबिक्रम केसी बटैलै ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।





संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)

मो. ९८५८४२३९१२,

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services



सेवाहरू :

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत

MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९